एक नजर में

डॉ. स्वपना मराठे के शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति 8 को

इंदौर. साउथ तुकोगंज स्थित श्रीनाथ मन्दिर में प्रतिमाह आयोजित शास्त्रीय गायन की श्रृंखला में इस बार ग्वालियर की वरिष्ठ गायिका डॉ. स्वपना मराठे की प्रस्तुति होगी. आयोजन 8 नवंबर को शाम 7.30 बजे से होगा. यह जानकारी देते हुए श्रीनाथ मन्दिर संस्थान के सचिव संजय गो. नामजोशी ने बताया कि डॉ. स्वपना मराठे संगीत में पीएचडी है. उन्होंने शास्त्रीय संगीत की प्रारम्भिक शिक्षा दादी शीला मराठे से ग्रहण की. उसके बाद संगीत विदुषी सुशीला पोहनकर, डॉ. मीरा काले, आनंद जोशी से मार्गदर्शन लिया. विभिन्न पुरस्कारों और अवार्ड से सम्मानित डॉ. स्वपना मराठे बनारस सहित कई स्थानों पर शास्त्रीय गायन की दम दार प्रस्तुति दे चुकी है.

इंद्र-इंद्राणियों ने चढ़ाए 1024 अर्घ्य

इंदौर. दिगम्बर जैन मंदिर क्लर्क कालोनी में बुधवार को आर्यिका रत्न विदक्षाश्री एवं आर्यिका रत्न सुवंदनमती माताजी के सानिध्य में बाल ब्रह्मचारी अक्षय भैया के कुशल नेतृत्व में सिद्धचक्र महामंडल विधान में आज आखरी दिन 1024 अर्घ्य चढ़ाये. प्रात: काल मे भगवान का अभिषेक एवं शातिधारा की गई. तत्पश्चात देव शास्त्र गुरु की पूजन नंदीश्वरद्वीप की पूजन कर आरती की गई. प्रचार प्रमुख प्रवीण जैन ने बताया कि आर्यिका माताजी के प्रवचन हुए. माताजी ने अपने मुखारविंद से से कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान एसा विधान है जो पुरा सती मैना सुन्दरी पर आधारित है. मैना सुन्दरी तीर्थंकरों के सिद्धांतों पर चलती थी. मैना सुन्दरी के अशुभ कर्म के उदय से उसका विवाह एक श्रीपाल नामक कुष्ठ रोगी के साथ हुआ था और उसके साथ सात सौ कुष्ठ रोगी थे. मैना सुन्दरी ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान किया विधान के माध्यम से अपने पति श्रीपाल सात सौ साथियों का कुष्ठ रोग दूर किया. हमेशा सिद्धों की आराधना करनी चाहिए. क्षेत्रीय विधायक रमेश मेंदोला के साथ सौधर्म इन्द्र जिनेन्द्र-प्रभा जैन कुबेर इन्द्र कोमल-सविता जैन के साथ 31 किलो बड़ा श्रीफल (नारियल) महा मंडल पर चढ़ाया. इसके बाद विधान पर सभी इन्द्र-इन्द्राणियों ने मिलकर महा मंडल पर 1024 अर्घ्य चढ़ाए. इस अवसर पर मुख्य रूप से एमके जैन, आनंद-नवीन गोधा, सुदर्शन जैन, संचित जैन, निलेश जैन, प्रशांत जैन, संजय काका, विनोद जैन, नेहा जैन, चंदा बड़जात्या, सुभद्रा गोधा, विमला जैन के साथ सभी समाजजन शामिल हुए.

महू के बामणिया कुंड में मेडिकैप्स कॉलेज का छात्र डूबा

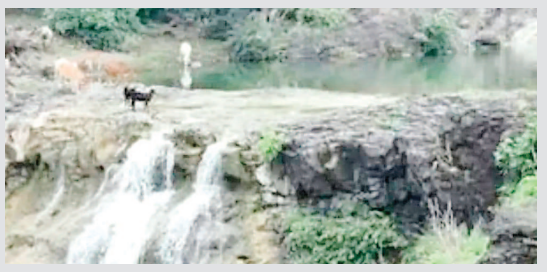

महू. बड़गोंदा थाना क्षेत्र स्थित बामणिया कुंड में नहाते समय एक छात्र डूब गया. वह अपने दोस्तों के साथ कुंड घूमने आया था. छात्र का नाम नैतिक बताया जा रहा है. वह कुंड में नहाने के लिए उतरा और गहरे पानी में चला गया, लेकिन बाहर नहीं निकल पाया. शाजापुर का रहने वाला नैतिक महू के पास मेडिकैप्स कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था. बड़गोंदा थाना प्रभारी प्रकाश कुमार ने बताया कि 19 वर्षीय छात्र नैतिक पुत्र उमेश अपने दोस्तों के साथ बामणिया कुंड आया था और नहाते समय गहरे पानी में डूब गया. घटना स्थल पर ग्रामीणों की मदद से छात्र की तलाश जारी है. गौरतलब है कि इस कुंड में पहले भी नहाने के दौरान कई युवा अपनी जान गंवा चुके हैं. प्रशासन ने इस क्षेत्र को प्रतिबंधित भी कर रखा है, लेकिन इसके बावजूद लोग यहां पहुंच जाते हैं.

अहिंसा पर्वत पातालपानी पर शहीद स्मारक का लोकार्पण10 को

महू. नगर के समीप स्थित अहिंसा पर्वत पर वीर शहीदों की याद में अमर जवान स्मारक का निर्माण किया गया है. इसका लोकार्पण आगामी 10 नवंबर को दोपहर 2 किया जाएगा. कार्यक्रम में सैनिकों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करने केंद्रीय मंत्री, सेना के ऑफिसर्स, स्थानीय विधायक और गणमान्य नागरिक एवं कई सामाजिक संगठन के लोग उपस्थित रहेंगे। ज्ञात हो, शहर के इन्फेंट्री मेमोरियल आर्मी क्षेत्र में वीर शहीदों की याद में तथा उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए मॉल रोड पर बना शहीद स्मारक पूरे देश में लोकप्रिय है, परन्तु यहां आम जनता बहुत कम पहुंच पाती है. सेना के ऑफिसर्स ही ज्यादा पहुंचते हैं. वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने आम जनता भी पहुंच सके, इसलिए महू के समीप अहिंसा पर्वत पर वीर शहीदों की याद में अमर जवान स्मारक का निर्माण किया गया है. इससे राष्ट्रीयता का भाव और भारतीय सैनिकों के प्रति अपनी श्रद्धा और आदर प्रकट करने का मौका और अवसर आम जनता को भी प्राप्त होगा. भारत की जनता के दिलों में भारतीय सेना के प्रति विशेष सम्मान एवं लगाव है. इसी बात को देखते हुए इंदौर जिले के महू तहसील में पर्यटन स्थल पातालपानी के ठीक सामने अहिंसा पर्वत जो महू का सबसे सुंदर पर्यटन स्थल बन चुका है, यहां अमर जवान स्मारक के निर्माण से आम जनता को अपनी भावना प्रकट करने का अवसर मिलेगा.

महू में गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व मनाया

महू. सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानकदेव जी का प्रकाश पर्व बुधवार को महू में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया. सुबह से ही शहर के गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. मोहन टॉकीज स्थित गुरु नानक गुरुद्वारा साहिब और आर्मी क्षेत्र के बेनेट गुरुद्वारे में संगत ने मत्था टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया. प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दोनों गुरुद्वारों में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. गुरु नानक गुरुद्वारा साहिब में अखंड पाठ का भोग लगाया गया, जिसके बाद क्षेत्र की शांति, समृद्धि और भाईचारे के लिए सामूहिक अरदास की गई. रागी जत्थों ने शबद कीर्तन प्रस्तुत कर गुरु नानक देव जी के उपदेशों का भावपूर्ण स्मरण कराया. आर्मी क्षेत्र स्थित बेनेट गुरुद्वारे में सुबह से ही अटूट लंगर शुरू हो गया. लंगर में आर्मी के अधिकारी, जवानों के साथ आम नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए. सभी ने एक ही पंक्ति में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और गुरु नानक देव जी द्वारा बताई सेवा और समानता की भावना को आत्मसात किया. पूरे दिन गुरुद्वारों में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा. श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं, सच्चाई, विनम्रता और मानव सेवा का अनुसरण करने का संकल्प लिया. शाम को गुरुद्वारों में दीप प्रज्वलन और कीर्तन से वातावरण और भी पवित्र हो गया.

कलेक्टर ने भेरूघाट का किया निरीक्षण

▶ सड़क सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के दिए निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. भेरूघाट में हुई बस दुर्घटना के बाद आज कलेक्टर ने दुर्घटना स्थल का जायजा लिया. विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के निर्देश जारी किए.

कलेक्टर शिवम वर्मा आज ग्रामीण क्षेत्र के दौरे पर गए थे. इस दौरान उन्होंने खंड़वा रोड़ के भेरूघाट पर हुई सड़क दुर्घटना स्थल का अवलोकन किया. साथ ही भविष्य में दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसका ध्यान रखने का कहा. कलेक्टर वर्मा ने यह भी कहा कि खंडवा रोड पर ऐसे अन्य स्थानों को भी चिन्हित किया जाए, जहां दुर्घटनाओं की आशंका अधिक है. उन स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल किए जाएं. निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन एवं एसडीएम महू राकेश परमार मौजूद थे.

टेक ऑफ से पहले रनवे पर अचानक बजे अलार्म से मचा हड़कंप

▶ साढ़े तीन घंटे बाद मुंबई के लिए उड़ी फ्लाइट, 163 यात्री थे सवार

नव भारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मुंबई के लिए उड़ान भरने जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई -2750 टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर रोक दी गई. उड़ान भरने से कुछ क्षण पहले पायलट को फायर इंडिकेशन अलार्म मिला, जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने तत्काल विमान को रोकने के निर्देश जारी किए.

जानकारी के अनुसार, फ्लाइट का निर्धारित समय शाम 7.50 बजे था और उस समय 163 यात्री विमान में सवार थे. अचानक अलार्म बजने के बाद टेक्निकल टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की. प्रारंभिक परीक्षण में कोई खतरा नहीं मिलने पर विमान को बाद में उड़ान की अनुमति दी गई. करीब साढ़े तीन घंटे की देरी के

बाद रात 11.41 बजे फ्लाइट ने मुंबई के लिए उड़ान भरी. यात्रियों का कहना था कि लंबे समय तक विमान के भीतर बैठने के बावजूद उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही थी. कुछ यात्रियों ने इस संबंध में एअर इंडिया से शिकायत की, जबकि एक यात्री के परिजन ने सिविल एविएशन मंत्रालय में डीजी फैज अहमद किदवई को भी स्थिति की जानकारी दी. घटना के बाद एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत यह कार्रवाई की गई थी और सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही उड़ान को रवाना किया.

मंदिरों में दानपात्र तोड़कर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

▶ मानपुर पुलिस ने चार वारदातों का किया खुलासा

इंदौर. मानपुर और बड़गौदा थाना क्षेत्र के मंदिरों में दानपात्र तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पकड़े गए आरोपी मंदिर में चोरी की चार वारदातों में शामिल निकले हैं. उनके कब्जे से चोरी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है, वह भी चोरी की निकली.

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एडिशनल एसपी और एसडीओपी के मार्गदर्शन में मानपुर व बड़गौदा थाना स्टाफ की दो टीमों का गठन किया था. हाल ही में 1 नवंबर को जानापाव मंदिर में दानपात्र तोड़कर हुई नकदी चोरी की वारदात के बाद जांच तेज की गई थी. टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर संदिग्धों की तलाश शुरू की. सूचना मिलने पर राजूपुरा कुटी मेले से दो युवकों को हिरासत में लिया गया, जिनका हुलिया घटना के दौरान देखे गए बदमाशों से मेल खा रहा था. पूछताछ में दोनों ने मानपुर और बड़गौदा क्षेत्र के चार मंदिरों आशापुरी माता मंदिर, जानापाव मंदिर, बालाजी मंदिर और पार्वती माता मंदिर में चोरी की बात कबूल की.

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंचित उर्फ बल्लम पिता मलतान डावर निवासी ग्राम जोवई थाना बड़गौदा और मन्नु उर्फ जम्मा पिता गुलाब सिंह डावर निवासी ग्राम घोड़ाखुर्द थाना बड़गौदा के रूप में हुई है. दोनों आपस में चचेरे भाई हैं और मंदिरों के आसपास के इलाकों की भलीभांति जानकारी रखते थे. आरोपियों से चोरी के लिए प्रयोग की गई मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जो उन्होंने धार जिले के पीथमपुर क्षेत्र से चुराई थी. आरोपियों को मानपुर थाने में दर्ज अपराध के तहत गिरफ्तार किया है. चोरी गई नकदी की बरामदगी के लिए उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया है.

अन्नकूट महोत्सव में लिया जूठन नहीं छोड़ने का संकल्प

▶ महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर चातुर्मास महोत्सव के समापन पर भजन संध्या एवं 56 भोग के आयोजन

इंदौर. माली मोहल्ला एमओजी लाइन स्थित तपनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज गुरु आश्रम न्यास समिति के तत्वावधान में 26वें चातुर्मास महोत्सव के समापन पर महाप्रचंड हनुमान मंदिर परिसर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ. इस मौके पर मालवांचल, मेवाड़ एवं मारवाड़ अंचल से आए अनेक संतों-महंतों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और उपस्थित भक्तों को किसी भी भोज कार्यक्रम में जूठन नहीं छोड़ने का संकल्प भी दिलाया.

भक्त मंडल के विजय अग्रवाल एवं पुजारी योगेश-सचिन सुईवाल ने बताया कि दो दिवसीय इस महोत्सव में कार्तिक पूर्णिमा पर रामायण पाठ के विराम के पश्चात गुरू आश्रम स्थित सभी देवालयों पर पूजा-अर्चना, यज्ञ-हवन एवं शाम को छप्पन भोग समर्पण के पश्चात महाप्रसादी का क्रम शुरू हुआ, जिसमें अखंडधाम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप, संत राजानंद, कैलाश टेकड़ी लिम्बी से आए महंत केशवदास, खरगोन सनावद के नागेन्द्र गिरि, कानू नागोबा, नाथ संप्रदाय के महंत राजनाथ योगी, वीर हठीले हनुमान मंदिर के दीक्षित गुरू. काटकूट दगड़ी आश्रम के महात्यागी महंत रामसेवकदास महाराज तेरा भाई त्यागी समाज संतों के साथ पधारे जिनकी अगवानी भक्त मंडल की ओर से हरि अग्रवाल, दामोदर सुईवाल, मांगीलाल मावर, रमेश खरवड़, रामचंद्र मंडावरा, डॉ. किशोर मित्तल, रामलाल सावरवाल, सत्यनारायण जाजड़ा सहित आश्रम से जुड़े अनेक भक्तों ने की. इस मौके पर मालवा, निमाड़ एवं मेवाड़-मारवाड़ क्षेत्र के अनेक साधु-संतों और महंतों के साथ अनेक भजन गायकों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से भक्तों को सम्मोहित बनाए रखा. संचालन हरि अग्रवाल ने किया।

पुष्प बंगला रहा आकर्षण का केंद्र

भक्त मंडल के विजय अग्रवाल ने बताया कि भक्तों ने संत लादूनाथ महाराज के जयघोष से आसमान को गुंजायमान बनाए रखा. पुष्प बंगला भी आकर्षण और श्रद्धा का केन्द्र बना रहा. जन संध्या में गायक प्रकाश प्रजापत, सुधीर प्रजापत, कृपाराम जाट, बृजमोहन प्रजापत, सुमित सुईवाल, सचिन सुईवाल आदि ने गुरुवाणी सहित मालवा, निमाड़ और मारवाड़ के लोकगीतों के साथ ही परम्परागत वाद्य यंत्रों पर अपने भजनों से ऐसा समा बांधा कि हर कोई झूम उठा.

जल कुंड में दीप प्रवाहित करने लगा श्रद्धालुओं का मेला

▶ गुमास्ता नगर तिरुपति बालाजी मंदिर पर हुआ आयोजन

▶ दीए की रंगोली से बने शंख, चक्र एवं तिलक

इंदौर. कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर तिरुपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान गुमास्ता नगर पर दीप उत्सव धूमधाम से मनाया गया. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बनाए गए जल कुंड में प्रज्जवलित दीप प्रवाहित किए।

देवस्थान ट्रस्ट के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पसारी, लक्ष्मण पटवा व राम मूंदड़ा ने बताया कि झालरिया पीठाधीश्वर स्वामी घनश्यामाचार्य के आशीर्वाद से मंदिर प्रांगण में श्रीधर धाम सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने यह आयोजन किया. 200 स्क्वायर फीट के जल कुंड का निर्माण भी किया था. इस दिन जल में दीप प्रवाहित करने की परंपरा है. शाम 6.30 बजे बाद भगवान की मां आरती संपन्न होने के साथ ही बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर जल कुंड में प्रवाहित किए. श्रीधर धाम सेवा समिति के सदस्यों ने मंदिर परिसर में 3000 दीए से शंख, चक्र और तिलक की रंगोली भी बनाई. इस अवसर पर भगवान तिरुपति बालाजी का भव्य श्रृंगार भी किया गया था.

प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों की दी जानकारी

▶ नवागत क्षेत्रिय अधिकारी का किया गया स्वागत

▶ विभिन्न विभागीय बिन्दुओं पर हुआ संवाद

इंदौर. एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश के सभागार में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर के नवागत क्षेत्रिय अधिकारी सतीश कुमार चौकसे के इंदौर पदस्थ होने पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया. अध्यक्ष योगेश मेहता ने अपने स्वागत उद्बोधन में नवागत क्षेत्रिय अधिकारी सतीश चौकसे को इंदौर जिले के औद्योगिक परिदृश्य की संक्षिप्त जानकारी साझा कर स्वागत किया. साथ ही उद्योगों को विभागीय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया.

अध्यक्ष योगेश मेहता ने श्री चौकसे जी को उद्योगों की छोटी-छोटी विभागीय समस्याओं के समाधान का आग्रह किया और सांवेर रोड के सीईटीपी को केवल उद्योगों के लिए करने, पाइप लाइन का डाया बढ़ाने तथा जो उद्योग एवं गांव भी सीईटीपी से नहीं जुड़े है उन्हें अमृत योजना 2 में जोड़ने का अनुरोध किया. क्षेत्रिय अधिकारी सतीश चौकसे ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नीति नियमों एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए किये जा रहे सुधारात्मक प्रयासों के बारे में विस्तृत जानकारी दी. आपने उद्योगों से संवाद करते हुए औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रित करने संबंधित राज्य स्तरीय प्रयासों व प्रदूषण नियंत्रण मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन में आने वाली उद्योगों की समस्याओं के समाधान में पूर्ण विभागीय सहयोग करने का भरोसा दिलाया. आपने कहा कि विभागीयस्तर पर मैं व्यक्तिगत उद्योगों की समस्याओं के समाधान हेतु जो भी संभव होगा सकारात्मकता के साथ करने का प्रयास करूंगा. आपने पालदा औद्योगिक क्षेत्र के साथ ही प्लास्टिक उद्योगों की अलग से बैठक व चर्चा कर समस्याओं का निराकरण कराने का विश्वास दिलाया.

विभाग संबंधी समस्या निराकरण का किया अनुरोध

कार्यक्रम का संचालन मानद सचिव तरूण व्यास ने किया तथा आभार श्री हरीश नागर ने माना. इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने उद्योगों की विभाग संबंधित समस्याएं श्री चौकसे के समक्ष रखते हुए उनके निराकरण करने का अनुरोध किया. इस अवसर पर एसोसिएशन के सर्वश्री हरीश भाटिया, प्रकाश जैन, हरीश नागर, प्रमोद डफरिया, अनिल पालीवाल, नवीन धूत, सतीश मित्तल, मोहनसिंग रघुवंशी, रूचिल डोशी, मनीष चौधरी, हेमेन्द्र बोकाडिया, डॉ. शरद डोसी, सुरेश नुहाल, जे पी नागपाल, मधुसूदन भलिका आदि सहित विभिन्न उद्योग संगठनों के पदाधिकारी व प्रतिनिधिगण एवं उद्योगपति उपस्थित रहे.

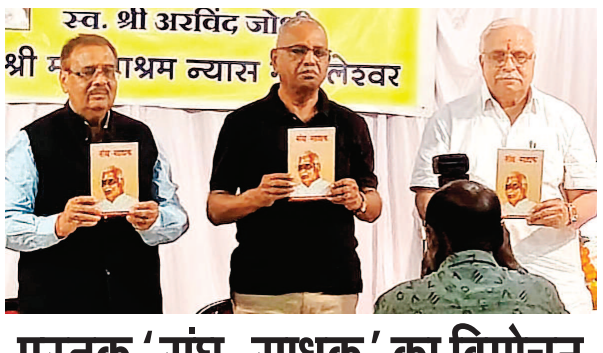

पुस्तक 'संघ-साधक' का विमोचन

इंदौर. साधना की यात्रा 100 वर्षों की यात्रा में संघ ने सामान्य व्यक्तियों को साधक बनने का अवसर प्रदान किया। ऐसा ही अवसर श्री अरविंद जोशीजी को भी प्राप्त हुआ. उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भैय्याजी जोशी नें इन्दौर में समाजसेवी अरविंद जोशी की जीवन-स्मृतियों पर आधारित पुस्तक का 'संघ-साधक' के विमोचन के अवसर पर व्यक्त किये. अर्चना प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक संघ साधक का विमोचन गणेश मंडल में एक समारोह में किया गया. यह पुस्तक माधवाश्रम न्यास गौशाला, मंडलेश्वर के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष स्व. अरविंद जोशी की जीवन-स्मृतियों पर आधारित है. इस पुस्तक में उनकी जीवन-स्मृतियों को अत्यंत प्रभावी शैली में प्रस्तुत किया गया है. पुस्तक का विमोचन भैय्याजी जोशी, डॉ. प्रकाश शास्त्री मालवा प्रांत संघचालक एवं अध्यक्ष माधवाश्रम न्यास) एवं अर्चना प्रकाशन के ओमप्रकाश गुप्ता द्वारा किया गया. विमोचन समारोह में स्व. अरविन्द जोशी के परिजनों एवं अरविंदजी जोशी के साथ कार्य करने वाले समाजसेवियों में अपने विचार व्यक्त किये. संघ साधक पुस्तक अर्चना प्रकाशन द्वारा प्रकाशित है और यह माधव वस्तु भंडार, इंदौर पर उपलब्ध है.

एक नजर में

चातुर्मास के लिए विराजित तीन प्रमुख जैनाचार्यों की विदाई, साकेत में पहली बार एकसाथ बिदाई का भावपूर्ण वरघोडा निकला

विचार में सकारात्मक बदलाव लाकर समाज को सद्गुणों से भरपूर बनाएं

इंदौर. चातुर्मास स्वयं को बदलने और समाज तथा राष्ट्र को समृद्ध बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का ऐसा प्रभावी और पुण्यशाली प्रकल्प है जो हमें संतों और विद्वानों के सानिध्य में और अधिक सुदृढ बनाता है. पिछले 4 माह की अवधि में हम सबने शहर के दलालबाग, नरसिंहवाटिका, कंचन बाग एवं तिलकनगर क्षेत्रों में अनेक तपस्वी और विद्वानों से बहुत कुछ हासिल किया है. अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने मन, आचार-विचार और चरित्र में सकारात्मक बदलाव लाकर जिन शासन के साथ ही अपने राष्ट्र, समाज, संस्कृति और परिवार को भी करुणा, प्रेम, दया, सत्य, अहिंसा और परमार्थ जैसे सद्गुणों से भरपूर बनाएं.

ये प्रेरक विचार हैं इंदौर में विभिन्न जैनधर्म स्थलों पर चातुर्मास के लिए विराजित रहे जैनाचार्य विश्व रत्न सागर, जैनाचार्य नयचंद्र सागर, जैनाचार्य मृदुरत्न सागर, गणिवर्य कीर्तिरत्न सागर,

समाजबंधुओं ने की अगवानी

वरघोडा में बैंड-बाजों के अलावा रथ, बग्घी, कलश यात्रा, गरबा एवं भजन मंडलियाँ तथा मस्तक पर कलश लिए महिलाऐं भी शामिल रहीं. शहर के प्रमुख जैन श्रीसंघों की ओर से दिलसुखराज कटारिया, कान्तिलाल बम, वीरेंद्र जैन, मनीष सुराना, यशवंत जैन, प्रकाश भटेवरा, दीपक जैन टीनू, सुरेन्द्र छाजेड़, प्रीतेश ओस्तवाल, पुण्यपाल सुराना, कैलाश नाहर, शेखर गेलड़ा सहित अनेक प्रमुख समाजबंधुओं ने उनकी अगवानी की. पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता एवं अशोक चौहान चांदू सहित अनेक राजनेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे.

अजीतचन्द्र सागर एवं अन्य साधु-साध्वी भगवंतों के, जो उन्होंने इंदौर से चातुर्मास की समापन बेला में बिदाई लेते हुए आयोजित वर्षावास परिवर्तन समारोह में व्यक्त किए. यह पहला अवसर था जब सागर समुदाय के सभी आचार्यों ने एकसाथ चातुर्मास परिवर्तन किया. सुबह सभी साधु-साध्वी भगवंत अलग-अलग स्थानों से विहार कर साकेत नगर स्थित साकेत क्लब पहुंचे जहाँ बड़ी संख्या में मौजूद समाजबंधुओं और शहर के प्रमुख जैन श्रीसंघों के पदाधिकारियों ने लाभार्थी दिलीप-ललित सी. जैन परिवार के साथ उनकी अगवानी की. करीब 60 साधु-साध्वी भवन्त इस समूह में शामिल थे, जो दलालबाग, तिलक नगर एवं कंचन बाग से अलग-अलग जत्थों में विहार कर साकेत क्लब और वहां से भव्य वरघोडा की शक्ल में लाभार्थी कमलाबाई चम्पालाल जैन के साकेत नगर स्थित निवास पर पहुंचे थे.